अक्षय ऊर्जा पर ध्यान दें एशियाई देश

▪ नए निवेश पर ध्यान देना जरूरी

नई दिल्ली

delhibureau@patrika.com

संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन ने एशियाई देशों से ऊर्जा संरक्षण की दिशा में अक्षय ऊर्जा स्रोतों का इस्तेमाल कर 2030 तक सतत एवं सबकी पहुंच तक ऊर्जा का लक्ष्य प्राप्त करने का आह्वान किया है। संगठन का कहना है कि विकासशील देशों को सतत ऊर्जा के लिए नई प्रतिबद्धताएं और नए निवेश पर ध्यान देना चाहिए। ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टेरी) की पहल पर यहां राजधानी में आयोजित 12वें दिल्ली सतत विकास सम्मेलन में संगठन के महानिदेशक कांदेह युमकेला ने कहा कि औद्योगिक देशों को कम उत्सर्जन वाली प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना चाहिए। सम्मेलन में बताया गया कि वैश्विक स्तर पर पांच लाख लोगों में से एक व्यक्ति आधुनिक बिजली के लाभ उठाता है और उससे दुगुने- तीन बिलियन लोग, खाना पकाने व गर्म करने के कार्यों के लिए लकड़ी, कोयले, चारकोल और पशुओं के मल पर निर्भर हैं। सम्मेलन में विकसित देशों द्वारा ऊर्जा बर्बादी पर चिन्ता जताते हुए कहा गया कि ऊर्जा संकट की एक बड़ी वजह यह भी है।

आईडीबीआई का डायनेमिक बांड

नई दिल्ली। आईडीबीआई म्युच्युअल फंड ने एक विविधीकृत एवं सतत खुली ऋण स्कीम शुरू करने की घोषणा की है। इसके लिए न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 31 जनवरी को खुल चुका है और यह 14 फरवरी को बंद होगा। पुनर्खरीदी के लिए यह 23 फरवरी को फिर खुलेगा। दस रुपए यूनिट सममूल्य पर उपलब्ध बांड के लिए न्यूनतम आवेदन राशि पांच हजार रुपए होगी।

ओजस में निःशुल्क ओपीडी

नोएडा स्थित ओजस मेडीकेयर लोगों को अगले एक साल निःशुल्क ओपीडी की सुविधा उपलब्ध होगी। अस्पताल में यह ओपीडी प्रतिदिन सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक लगेगी जिसमें सभी विभाग के विशेषज्ञ मरीज को चिकित्सीय सलाह प्रदान करेंगे। अस्पताल की प्रबंध निदेशक नम्रता चावला के मुताबिक ओपीडी का लाभ सभी वर्ग के रोगी उठा सकते हैं। (ब्यूरो)